ओ लीलण म्हारी जइजे जइजे गढ़ खरनाले शहर लिरिक्स

ओ लीलण म्हारी,
जइजे जइजे गढ़ खरनाले शहर,
कोई गढ़ खरनाले शहर,
भाभल ने निभण देवजे,
ओ तेजाजी कैया जावा,
खाली म्हारी पीठ,
कोई सुनी म्हारी पीठ,
मावड़ली देसी ओलबा
मावड़ली देसी ओलबा।bd।

ओ लीलण म्हारीं,
कइजे कइजे साचोड़ा समचार,
तू तो साचोड़ा समचार,
नजरा सु देखी केवजो,
नजरा सु देखी केवजो,
ओ तेजाजी एड़ा काई,
लिख्या विधाता लेख,
म्हारा लिख्या विधाता लेख,
तेजल सु छेती मैं तो पड़ा,
तेजल सु छेती मैं तो पड़ा।bd।

ओ लीलण म्हारीं,
राखो राखो मनडा माही धीर,
कोई हिवड़ा माही धीर,
स्वर्गा में मिलसी जिवडा,
स्वर्गा में मिलसी जिवडा,
ओ तेजाजी था बिन म्हारे,
जीवन को नही सार,
म्हारे जीवन को नही सार,
लीलण भी संग में चालसी,
लीलण भी संग में चालसी।bd।

ओ प्यारी लीलण,
मैं थारो चंदो तू म्हारी है चकोर,
म्हारे कालजिया री कोर,
मानु मैं थाने जीव री जड़ी,
मानु मैं थाने जीव री जड़ी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओ लीलण म्हारीं,
मत ना तू तो आसुडा ढलकाय,
मत आसुडा ढलकाय,
तेजल रो काँपे जीवड़ो,
तेजल रो काँपे जीवड़ो।bd।

ओ तेजाजी कइयाँ रोकूँ,
नैणा माइलो नीर,
म्हारो नैणा माइलो नीर,
म्हारो भर भर आवे हिवड़ो,
म्हारो भर भर आवे हिवड़ो।bd।

ओ लीलण म्हारी,
जइजे जइजे गढ़ खरनाले शहर,
कोई गढ़ खरनाले शहर,
भाभल ने निभण देवजे,
ओ तेजाजी कैया जावा,
खाली म्हारी पीठ,
कोई सुनी म्हारी पीठ,
मावड़ली देसी ओलबा
मावड़ली देसी ओलबा।bd।

स्वर – छोटूसिंह जी रावणा।
प्रेषक – गोपाल सुथार जसोल।
9712406766

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com